एक क्रांतिकारी अन्वेषण

भारतीय इतिहास की भयंकर भूलें

(Some Blunders of Indian Historical Research
का हिन्दी अनुवाद)

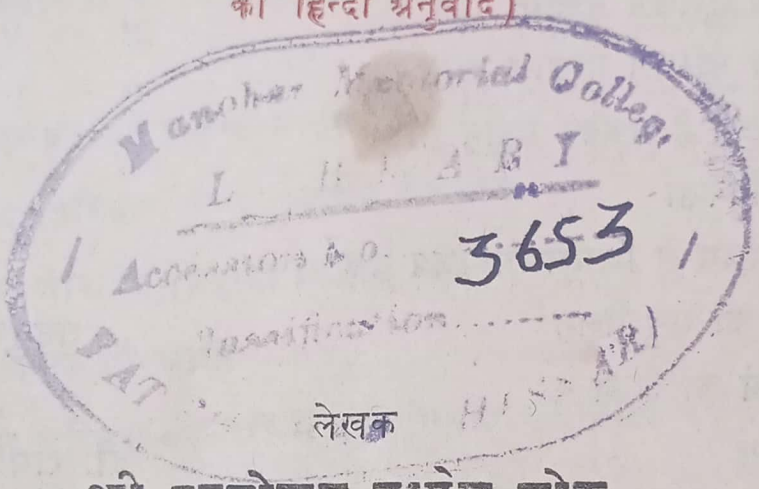

लेखक

श्री पुरुषोत्तम नागेश ओक

एम.ए., एल-एल.बी.

अनुवादक

श्री जगमोहन राव भट्ट

एम.ए., साहित्यरत्न

र्य-प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली-६

954.04

अनुक्रमणिका

ऐतिहासिक अन्वेषण की प्रेरणा ... १

१. भारतीय स्मारकों का निर्माण-श्रेय विदेशी मुस्लिमों को दिया गया १०

२. अपकृष्ट अकबर को उत्कृष्ट मानते हैं ८५

३. मध्यकालीन तिथिवृत्तों में अनावश्यक विश्वास ... ११८

४. स्थापत्य का भारतीय-जिहादी सिद्धांत भ्रम-मात्र है ... १४३

५. मुग़ल चित्रकला की भ्रांति १५७

६. मध्यकालीन मुस्लिम-दरबारों में संगीतोन्नति की भ्रांति ... १५८

७. मुग़ल उद्यान-कला की भ्रांति १६०

८. विदेशियों की शासनकालावधि में स्वर्ण युगों की भ्रांति ... १६२

९. सिकन्दर की पराजय जो वीर पोरस पर उसकी महान् विजय कहलाती है। १७५

१०. आदि-शंकराचार्यजी का काल १२९७ वर्ष कम अनुमानित १९२

११. भगवान बुद्ध के काल में १३०० वर्षों की भूल ... २१०

१२. भगवान श्री राम और श्री कृष्ण के युगों की प्राचीनता कम अनुमानित २३२

१३. तथाकथित 'आर्य जाति'—संज्ञा भारी भूल करने वाले पश्चिमी इतिहासकारों को कल्पना सृष्टि है। ... २४६

१४. वेदों की प्राचीनता अत्यन्त कम आंकी गई है ... २५९

१५. 'अल्लाह' मूलरूप में हिन्दू-देवता और 'काबा' हिन्दू मन्दिर था

१६. हम भूल गए कि भारतीय क्षत्रियों का शासन वाली से बाल्टिक समुद्र पर्यन्त तथा कोरिया से काबा तक था

१७. संस्कृत का विश्व-भाषा-रूप विस्मृत

१८. पैगम्बर मोहम्मद का हिन्दू-मूल भुला दिया गया